महिला उद्यमशीलता में सहकारिता की भूमिका

डॉ.हेमा यादव

वैमनीकॉम, पुणे

आज हम सभी महिला बहने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मना रहे है। यह दिन विश्व की समस्त महिलाओं के लिए गौरवशाली दिन है विशेषकर उन महिलाओं के लिए जिन्हें समाज में उचित स्थान नहीं मिल सका है।

भारतीय परंपराओं और रीति- रिवाजों में समाज में कही -कही महिलाएं अत्यंत संघर्षशील रही है और पारंपरिक भारतीय अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाती रही हैं। मध्य और निम्न वर्ग की महिलाएं अपने या घर से बाहर निकलकर दूसरों के खेतों में कृषि मजदूर के रूप में काम करती रही है।

इसके मद्दे नजर महिलाओं को मौलिक मानवाधिकार के तहत् सशक्त बनाने और महिलाओं के अधिकारों को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए महिला दिवस अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा और इससे महिलाओं में अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता पैदा हुई है ।

भारत में सहकारिता आंदोलन का विशेष महत्व है और इसका उल्लेख भारतीय संविधान में भी मिलता है। सहकारिता ने कृषि, उर्वरक, बैंकिंग, डेयरी, चीनी, आवास से लेकर आधुनिक समय के क्षेत्र जैसे सूचना प्रौद्योगिकी तक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों को छुआ है। देश में महिला सहकारिता का एक लंबा इतिहास रहा है। महिलाओं के रोजगार पर इसका प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा है।

आज हमारे देश की महिलाओं को भी विकसित राष्ट्रों के समान हर क्षेत्र में समान अवसर दिया जा रहा है। अभी तक जो महिलाएं श्रमिक या अकुशल कामगार के रूप में काम कर रही थी अब उनके लिए सहकारिता का क्षेत्र खुला हुआ है।

कुछ सामाजिक या राजनीतिज्ञों ने नई युग की आवश्यकता को समझा है और उन्होंने महिला सहकारी समितियां शुरू की तब से सामान्य महिलाओं को सहकारी समितियों में कार्य करने के लिए प्रवेश व अवसर मिला। देखते –देखते कई महिला औद्योगिकसमितियों, महिला सहकारी बैंकों तथा महिलाओं के बहुउददेशीय समितियों का गठन हुआ।

इसी प्रकार महिलाओं में उद्यमशीलता भी दिखाई पड़ती है। उद्यमी वे लोग होते हैं जो नए विचारों और नवाचारों के साथ सामने आते हैं जो किसी भी व्यवसाय के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। महिला उद्यमी का सशक्तिकरण भारत जैसी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए एक अभिनव सफलता मंत्र है। महिलाओं के बीच उद्यमिता ने भारत जैसे देश में उनके सशक्तिकरण को प्रेरित किया है। आज महिलाओं ने अपने परिवारों के बीच सामाजिक जीवन,

आर्थिक गतिविधियों और निर्णय लेने में एक महत्वपूर्ण स्थान हासिल कर लिया है। आज महिलाएं भी उद्यमी बनी हुई है ।

चूंकि महिलाओं को दोहरी भूमिकाएं निभानी होती हैं, इसलिए उद्यमिता सार्वजनिक या निजी क्षेत्र में नियमित रोजगार की तुलना में अधिक उपयुक्त पेशा है। महिला उद्यमिता वह प्रक्रिया है जिसमें महिलाएं व्यवसाय या उद्योग लेती हैं, नेतृत्व करती हैं और संगठित करती हैं । महिलाएं हर तरह के उद्यमों में उद्यम कर रही हैं । महिला उद्यमियों को देश के आर्थिक विस्तार के लिए सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक एजेंट माना जाता है । वे मालिक, निर्माता, समन्वयक, विक्रेता, निर्णय लेने वाले, जोखिम लेने वाले, नवप्रवर्तक आदि हैं। वे रोजगार के अवसर भी पैदा करती हैं और परिवार के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में योगदान देती हैं।

महिला सशक्तिकरण में सहकारिता की भूमिका: रोजगार सृजित करना और महिला श्रमिकों के लिए आय बढ़ाना; बुनियादी सेवाओं के प्रावधान के माध्यम से आजीविका में सुधार; और महिलाओं के नेतृत्व और प्रबंधन के अनुभवों को बढ़ावा देना है । सहकारिता के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के परिणाम स्वरूप :

सहकारी विधान को अधिक जेंडर-उत्तरदायी बनाना सुनिश्चित करना; ग्रामीण महिलाओं की स्वायत्तता और स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए सहकारी समितियों में उनके लिए जन समर्थन बढ़ाना; उदाहरण के लिए सार्वजनिक खरीद कार्यक्रमों या एकजुटता स्तर के माध्यम से ग्रामीण सहकारी समितियों के उत्पादों को बढ़ावा देना; तथा समान जेंडर संबंधों के महत्व पर सहकारी नेताओं और सदस्यों के बीच जागरूकता बढ़ाना।

महिलाओं की गतिविधियों से होने वाली आय में उल्लेखनीय वृद्धि और इन गतिविधियों की बढ़ती पसंद ने महिलाओं को उत्पन्न आय को नियंत्रित करने में सक्षम बनाना ।

महिलाओं को घर के भीतर उनकी भलाई में सुधार के लिए बातचीत करने में सक्षम बनाना । महिलाओं को समर्थन नेटवर्क और एक 'स्वीकार्य मंच' तक पहुंच प्रदान करना जो उन्हें स्थानीय स्तर पर अपने व्यक्तिगत और सामूहिक हितों को व्यवस्थित करने में सक्षम बनाता है ।

सहकारिता को एक सामाजिक विकास एजेंसी होने के नाते जेंडर समानता की वकालत करने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए । चूंकि महिलाएं विकास में सक्रिय रही हैं, इसलिए उन्हें समाज के समग्र विकास में केंद्रीय भूमिका निभानी चाहिए ।

महिलाओं की कई ऐसी सुप्रसिद्ध एवं ख्याति प्राप्त सहकारी व गैर-सहकारी समितियां है जिनसे जुडकर महिलाएं स्वयं को, अपने परिवार को तथा समाज को साथ ही साथ देश को सशक्त बना रही है ।

******